हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली का काव्य : प्रकृति काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 404 (HIL 404) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: हिन्दी की द्विवेदी युगीन कविता ने खड़ी बोली कविता का ढाँचा खड़ा किया,लेकिन उसे व्यवस्थित रूप में ढालने का काम छायावादी कविता के द्वारा हुआ । खड़ी बोली कविता की इस चिन्ताधारा ने हिन्दी कविता को नए शब्द दिए और ये शब्द प्रकृति के साहचर्य से आए । छायावादी कविता केवल शब्दों के रचाव के लिहाज से महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि इस कविता ने हिन्दी कविता की संवेदना को संस्कार दिया एवं सौन्दर्य चेतना का प्रसार किया । इस कविता के जरिए खड़ी बोली कविता की प्रकृति चेतना को उभार मिला । इस पाठ्यक्रम के तहत एम.ए हिन्दी के विद्यार्थियों को प्रकृति चेतना से परिचित कराना है,जिससे कि वे छायावादी कविता के विस्तृत फलक से रुबरू हो सकें ।

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड :		
	क) मध्यावधि परीक्षा -	25%
	ख) सत्रांत परीक्षा -	50%
	ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन -	25%
	*पुस्तकालय कार्य -	5%
	*प्रायोगिक कार्य -	5%
	*गृह-कार्य -	5%
	* कक्षा परीक्षा -	5%
	*कक्षा-प्रस्तुतियां	5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली का काव्य : प्रकृति काव्य

पाठ्यक्रम कूट संकेत - एच.आई.एल 404 (HIL 404) श्रेय तुल्यमान: 2 श्रेय

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 खड़ी बोली प्रकृति काव्य : एक परिचय

क) छायावाद : पृष्ठभूमि, कवियों-आलोचकों की दृष्टि, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

ख) छायावाद: जागरण का स्वर,वैश्विक चेतना, साहित्यिक अवदान

इकाई-2 महादेवी वर्मा का काव्य

क) महादेवी वर्मा : जीवन दर्शन,रहस्यवाद

ख) महादेवी वर्मा का काव्य : प्रकृति वर्णन,वेदना तत्व, गीति-तत्व

ग) महादेवी वर्मा की कविता का पाठ-विश्लेषण (संधिनी की प्रमुख कविताएँ : 2,3,4,5,7,8,11,14,15,18,21,22,29,30)

इकाई-3 सुमित्रानन्दन पंत का काव्य

क) सुमित्रानन्दन पंत : जीवन दर्शन, सौन्दर्य -दृष्टि,काव्यगत विकास

ख) सुमित्रानन्दन पंत का काव्य : रहस्यवाद,काव्य-भाषा

ग) सुमित्रानन्दन पंत की कविता का पाठ-विश्लेषण : ('प्रथम रश्मि', 'जग के उर्वर आँगन में', 'ताज', 'स्त्री', 'बापू के प्रति', 'ग्राम देवता')

इकाई-4 जयशंकर प्रसाद का काव्य

क) कामायनी : सौन्दर्य-सौष्ठव, सामरस्य सिद्धान्त ,भाव-पक्ष,कला-पक्ष, प्रासंगिकता

ख) जयशंकर प्रसाद की कविता का पाठ-विश्लेषण : कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई-5 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का काव्य

क) 'मुक्त छन्द' और निराला

ख) निराला का काव्य : प्रकृति चित्रण, वंचितों का संसार, जागरण का स्वर

ग) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की कविता का पाठ-विश्लेषण : ('सरोज स्मृति', 'बांधों न नाव इस ठांव बंधु', 'तुम और मैं,' 'तोड़ती पत्थर')

सम्भावित ग्रन्थ :

आधार ग्रन्थ :

1. महादेवी वर्मा संधिरेखा,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद -211001
2. जयशंकर प्रसाद कामायनी,राजकमल पेपर बैक्स, राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली -110002
3. सुमित्रानन्दन पंत सुमित्रानन्दन पंत ग्रंथावली,भाग -1 ,राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली-110002
4. नंदकिशोर नवल (सम्पादन) निराला रचनावली-2, राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली-110002

संदर्भ ग्रन्थ :

5. डॉ. नामवर सिंह छायावाद, राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली-110002
6. डॉ. नगेन्द्र सुमित्रानन्दन पंत, मयूर पेपरबैक्स,नोएडा-201301
7. गणपति चन्द्र गुप्त महादेवी नया मूल्यांकन, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल,दरबारी बिल्डिंग, इलाहाबाद -211 001
8. डॉ. ए. अरविन्दाक्षन (संपादन) निराला एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड,पंचकूला -134 113
9. विनोद शाही जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन,आधार प्रकाशन,प्रा.लि.,पंचकूला,हरियाणा-134113
10. नन्द दुलारे वाजपेयी कवि सुमित्रानंदन पन्त, लोक भारती प्रकाशन, पहली मंजिल,दरबारी बिल्डिंग, इलाहाबाद -211 001

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

मानविकी और भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी, सेमेस्टर – 2, जनवरी 2019

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 409 (HIL 409)

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- उपन्यास

श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को हिन्दी साहित्य की विशिष्ट और समृद्ध विधा उपन्यास से परिचित कराना है तथा उसका सम्पूर्णता से मूल्यांकन विश्लेषण करना है | उपन्यास की ऐतिहासिक परंपरा के साथ छात्र विभिन्न युगों के उपन्यासों की विशेष प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे,साथ ही कुछ कालजयी उपन्यासों के पाठ-विश्लेषण के माध्यम से साहित्य के अध्ययन की विशिष्ट दृष्टि अर्जित कर सकेंगे |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड :

क) मध्यावधि परीक्षा -	25%
ख) सत्रांत परीक्षा -	50%
ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन -	25%
* पुस्तकालय कार्य -	5%
* प्रायोगिक कार्य -	5%
* गृह-कार्य -	5%
* कक्षा परीक्षा -	5%
* कक्षा-प्रस्तुतियां	5%

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए. हिन्दी, सेमेस्टर – 2, जनवरी 2019

mÉÉPèrÉ¢üqÉ zÉÏwÉïMü- उपन्यास

क्रेडिट- 4

mÉÉPèrÉ¢üqÉ MÔüOû- xÉÇMåüiÉ- LcÉ.AÉD.LsÉ. 409 (HIL 409)

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास

ग) हिन्दी में उपन्यास का आरम्भ

घ) भारतेन्दुयुगीन उपन्यासों की प्रवृत्तियां

इकाई-2 प्रेमचंदयुगीन हिन्दी उपन्यास

क) प्रेमचंदयुगीन उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां

ख) गोदान का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-3 प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास -1

क) प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियां

ख) शेखर एक जीवनी (भाग-1) का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-4 प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास -2

क) बाणभट्ट की आत्मकथा का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

ख] मैला आंचल का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

इकाई-5 समकालीन हिन्दी उपन्यास

क) समकालीनता की अवधारणा

ख) रागदरबारी का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

ग) तमस का पाठ-विश्लेषण तथा मूल्यांकन

<u>आधार ग्रन्थ -</u>

1. गोदान — प्रेमचंद
2. शेखर एक जीवनी — अज्ञेय
3. बाणभट्ट की आत्मकथा — हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. तमस — भीष्म साहनी
5. रागदरबारी — श्रीलाल शुक्ल
6. मैला आँचल — फणीश्वर नाथ रेणु

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ -</u>

8. प्रेमचंद और उनका युग — रामविलास शर्मा
9. अज्ञेय के उपन्यास — गोपाल राय
10. अठारह उपन्यास — राजेन्द्र यादव
11. उपन्यास का विकास — मधुरेश
12 उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी — त्रिभुवन सिंह
13 उपन्यास की संरचना — गोपाल राय
14 आधुनिक हिंदी उपन्यास — सं. भीष्म साहनी, डॉ. रामजी मिश्र

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
मानविकी और भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग
एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 430 [HIL 430]

पाठ्यक्रम शीर्षक : साहित्य सिद्धांत : प्राचीन

क्रेडिट : 2 [एक क्रेडिट व्याख्यान , संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे के बराबर, प्रयोगशाला / व्यावहारिक कार्य / ट्युटोरियल / शिक्षक नियंत्रित गतिविधियाँ के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य , सामूहिक कार्य , निर्धारित अनिवार्य / वैकल्पिक कार्य , साहित्य समीक्षा , पुस्तकालय कार्य , तथ्य संग्रह , शोध-पत्र लेखन , सेमीनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के 15 घंटे के सामान हैं]

पाठ्यक्रम उद्देश्य : पाठ्यक्रम का उद्देश्य साहित्य -सिद्धांत की प्राचीन परंपरा से छात्रों को परिचित कराना है, ताकि वे संस्कृत साहित्य सिद्धांतों से न केवल अवगत हों बल्कि उसके संग्रहणीय तत्त्वों से लाभान्वित हों तथा साहित्य के मूल्यांकन की विवेकपूर्ण दृष्टि उनमें विकसित हो सके |

उपस्थिति अनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जासकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क.] मिड टर्म परीक्षा - 25%

ख.] एंड टर्म परीक्षा - 50%

ग.] सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

- **पुस्तकालय कार्य - 5%**
- **गृह कार्य - 5%**
- **कक्षा परीक्षा - 10%**
- **कक्षा प्रस्तुतियां - 5%**

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

कोर्स कोड - HIL 430 **क्रेडिट –2**

पाठ्यक्रम शीर्षक : साहित्य सिद्धांत :प्राचीन

पाठ्यक्रम विवरण -

इकाई- 1 साहित्य सिद्धांत: अर्थ और स्वरूप

- **साहित्य का अर्थ एवं स्वरूप**
- **साहित्य सिद्धांत का महत्त्व**

इकई - 2 प्राचीन साहित्य सिद्धांत - 1

- **काव्य लक्षण**
- **काव्य हेतु**
- **काव्य प्रयोजन**

इकाई -3 प्राचीन साहित्य सिद्धांत - 2

- **रस का स्वरूप**
- **रस के विभेद**
- **रस निष्पत्ति**

इकाई - 4 प्राचीन साहित्य सिद्धांत - 3

- **ध्वनि का स्वरूप**
- **ध्वनि के प्रमुख भेद**
- **अलंकार का स्वरूप**
- **अलंकार के प्रमुख भेद**

इकाई- 5 प्राचीन साहित्य सिद्धांत - 4

- **रीति सिद्धांत**
- **वक्रोक्ति सिद्धांत**

- **औचित्य सिद्धांत**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. **रस मीमांसा : आचार्य राम चन्द्र शुक्ल**
2. **संस्कृत आलोचना : बलदेव उपाध्याय**
3. **काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ.नगेन्द्र**
4. **काव्यशास्त्र : भागीरथ मिश्र**
5. **भारतीय काव्य विमर्श : राममूर्ति त्रिपाठी**
6. **भारतीय काव्यशास्त्र : गणेश त्रयम्बक देशपांडे**
7. **भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी**
8. **भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ.तारक नाथ बाली**
9. **भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ. विश्वनाथ उपाध्याय**

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
मानविकी और भाषा संकाय
हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग
एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 441 [HIL441]

पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास :आधुनिक काल

क्रेडिट : 04**[एक क्रेडिट व्याख्यान , संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत सम्पर्क के 10 घंटे के बराबर, प्रयोगशाला / व्यावहारिक कार्य / ट्युटोरियल / शिक्षक नियंत्रित गतिविधियाँ के 5 घंटे और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य , सामूहिक कार्य , निर्धारित अनिवार्य / वैकल्पिक कार्य , साहित्य समीक्षा , पुस्तकालय कार्य , तथ्य संग्रह , शोध-पत्र लेखन , सेमीनार, प्रबंध लेखन इत्यादि के 15 घंटे के समान हैं]**

पाठ्यक्रमउद्देश्य : पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को साहित्य इतिहास के जीवन्त तथा शाश्वत तत्त्वों के संग्रहण की क्षमता से पूर्ण करना है; साथ ही छात्रों को आधुनिक हिन्दी साहित्य की बहुविस्तृत विरासत से परिचित कराते हुए एक विशेष साहित्यिक परंपरा के गहन अध्ययन और विश्लेषण का अवसर देना है |

उपस्थितिअनिवार्यता : पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु छात्र का सभी कक्षाओं में उपस्थित होना अनिवार्य है |न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्ज न होने पर छात्र को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जासकता है |

मूल्यांकन मापदंड : क.] मिड टर्म परीक्षा - 25%

ख.] एंड टर्म परीक्षा - 50%

ग.] सतत आतंरिक मूल्यांकन - 25%

- **पुस्तकालय कार्य - 5%**
- **गृह कार्य - 5%**
- **कक्षा परीक्षा - 10%**
- **कक्षा प्रस्तुतियां - 5%**

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2, जनवरी 2019

पाठ्यक्रम कूट-संकेत : एच.आई.एल. 441 [HIL441]

पाठ्यक्रम शीर्षक : हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल **क्रेडिट-4**

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई -1 आधुनिककाल

- **आधुनिकता का अर्थ और स्वरूप**
- **आधुनिककाल की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि**
- **हिन्दी नवजागरण**

इकाई - 2 भारतेंदु युग तथा द्विवेदी युग

- **भारतेंदु युगीन पद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ**
- **भारतेंदु युगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ**
- **द्विवेदी युगीन पद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ**
- **द्विवेदी युगीन गद्य साहित्य की प्रवृत्तियाँ**

इकाई -3 छायावाद

- **छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियां**
- **प्रमुख छायावादी रचनाकार**
- **छायावाद का योगदान**

इकाई - 4 प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता

- **प्रगतिवाद: प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचनाकार**
- **प्रयोगवाद: प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचनाकार**
- **नई कविता: प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचनाकार**

इकाई - 5 समकालीन साहित्य

- **समकालीनता की अवधारणा**
- **समकालीन हिंदी कविता**
- **समकालीन हिंदी गद्य साहित्य**
- **गीत, नवगीत और ग़ज़ल**
- **समकालीन पत्र-पत्रिकाएँ**

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल**
2. **हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ.नगेन्द्र**
3. **हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी**
4. **हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी**
5. **हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी**

6. **साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय**
7. **महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा**
8. **हिन्दी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र**
9. **हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास ; बच्चन सिंह**
10. **हिन्दी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास : डॉ.भागीरथ मिश्र**
11. **हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : नन्द दुलारे वाजपेई**
12. **आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह**
13. **हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : राम कुमार वर्मा**

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

एम.ए (हिन्दी), सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली के पूर्व का काव्य: नीति काव्य,राम काव्य,कृष्ण काव्य,सूफ़ी

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: LcÉ.AÉD.LsÉ. 401 **श्रेय तुल्यमान: 4 श्रेय (1 श्रेय व्याख्यान,संगठित कक्षा गतिविधि और व्यक्तिगत संपर्क के 10 घंटे; प्रयोगशाला या / व्यावहारिक कार्य,ट्यूटोरियल,शिक्षक नियंत्रित गतिविधियों /कार्य के 5 घंटे;और अन्य कार्य जैसे स्वतन्त्र व्यक्तिपरक कार्य ,सामूहिक कार्य,निर्धारित अनिवार्य /वैकल्पिक कार्य,साहित्य समीक्षा,पुस्तकालय कार्य,तथ्य संग्रह,शोधपत्र लेखन,सेमिनार,प्रबंध लेखन,इत्यादि के 15 घंटे के समान है |**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को (एम.ए, हिन्दी) भक्तिकाव्य की स्वर्णिम परम्परा से परिचित करना है | भक्तिकाव्य ने न केवल सामाजिक एका स्थापित किया बल्कि साहित्यिक भागीदारी भी प्रस्तुत की | सामाजिक समरसता स्थापित करने एवं लोक को प्रश्रय देने के लिए भी यह काव्य जाना जाता है | प्रस्तुत पाठ्यक्रम की सहायता से विद्यार्थियों की भाव-संवेदना को भक्ति-काव्य से जोड़कर उनके भीतर अतीत की संतुलित समझ का विकास करना है,जिससे कि वे जागरूक अध्येता बन सकें |

उपस्थिति अनिवार्यता: पूर्ण एवं सुनिश्चित लाभ हेतु विद्यार्थी का सभी कक्षाओं में भागीदार होना अनिवार्य है | न्यूनतम 75% कक्षाओं में उपस्थिति दर्जा ना होने पर विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है |

मूल्यांकन मापदंड :	क) मध्यावधि परीक्षा -	25%
	ख) सत्रांत परीक्षा -	50%
	ग) सतत आतंरिक मूल्यांकन -	25%
	*पुस्तकालय कार्य -	5%
	*प्रायोगिक कार्य -	5%
	*गृह-कार्य -	5%
	* कक्षा परीक्षा -	5%
	*कक्षा-प्रस्तुतियां	5%

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

मानविकी एवं भाषा संकाय

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग,सेमेस्टर-2

पाठ्यक्रम कूट-संकेत: LcÉ.AÉD.LsÉ. **401** **क्रेडिट- 4**

पाठ्यक्रम शीर्षक - खड़ी बोली के पूर्व का काव्य: नीति काव्य,राम काव्य,कृष्ण काव्य,सूफ़ी

पाठ्यक्रम विषयवस्तु -

इकाई-1 खड़ी बोली के पूर्व का काव्य : भक्ति संदर्भ

क) भक्ति: स्वरूप एवं अवधारणा, उद्भव एवं विकास

ख) विभिन्न सम्प्रदाय एवं भक्ति की अवधारणा

ग) भक्ति आन्दोलन : सामाजिक परिदृश्य और हिन्दी समीक्षा

घ) हिन्दी भक्तिकाव्य : पृष्ठभूमि,सामान्य प्रवृत्तियाँ, साहित्यिक योगदान

इकाई-2 खड़ी बोली के पूर्व का नीतिकाव्य

क) भक्तिकालीन सामाजिक,राजनीतिक,सांस्कृतिक दशा

ख) नीतिकाव्य : प्रमुख विशेषताएँ, प्रमुख कवि रचनाएं

ग) कबीर : भक्ति,दर्शन,रहस्यवाद,सामाजिक विचार

घ) कबीर :पाठ विवेचन- [कबीर ग्रंथावली, श्यामसुंदर दास(सम्पादन-
पद संख्या : 1,2,3,4,5,6,8,16,19,21,43,45,49,51,55,

ङ) रैदास : भक्ति भावना,सामाजिक-चिंतन, साधना-पद्धति,काव्य-सौष्ठव

च) रैदास :पाठ विवेचन- [रैदास बानी, डॉ. शुकदेव सिंह (सम्पादन -
पद संख्या : 2,3,4,6,21,56,74,94,97,106,114,128,140,193)

इकाई-3 खड़ी बोली के पूर्व का सूफ़ीकाव्य

क) हिन्दी सूफी काव्य : विशेषताएँ

ख) जायसी : रहस्यवाद,ग्राम-बोध,प्रबंध-कौशल,काव्य-भाषा

ग) पद्मावत : ऐतिहासिक आधार,प्रेमतत्व,समासोक्ति-अन्योक्ति

घ) पद्मावत : प्रकृति-चित्रण,सांस्कृतिक भूमि,समीक्षा

ङ) पद्मावत : पाठ विवेचन - ['मानसरोदक खण्ड' (जायसी ग्रंथावली, आचार्य रामचंद्र शुक्ल(सम्पादन)

इकाई-4 खड़ी बोली के पूर्व का रामकाव्य

क) तुलसी : भक्ति पद्धति,लोक धर्म,समन्वय की भावना,काव्य-सौष्ठव

ख) सुन्दरकाण्ड : कथावस्तु,रचना-दृष्टि,भाव पक्ष,कला पक्ष

च) सुन्दरकाण्ड : पाठ विवेचन - ['सुन्दरकाण्ड' (श्रीराम चरित मानस : पंचम सोपान, योगेन्द्र प्रताप सिंह (सम्पादन)

इकाई-5 खड़ी बोली के पूर्व का कृष्ण काव्य

क) सूर : भक्तिभावना,बाल-वर्णन,वात्सल्य वर्णन

ख) सूरसागर : प्रेमतत्व,कथावस्तु का वैशिष्ट्य

ग) सूर सागर : पाठ विवेचन- ['गोकुल लीला' (सूरसागर सटीक : डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (सम्पादन)

घ) मीरा का काव्य : भक्ति आन्दोलन और कविता के सन्दर्भ में, सामाजिक पक्ष, काव्यानुभूति,काव्य भाषा

ङ) मीराबाई की पदावली :पाठ विवेचन- [मीराबाई की पदावली भाग दो, आचार्य परशुराम चतुर्वेदी (सम्पादन - पद संख्या : 17,19,21,33,35,74,75,76,83,86,89)

आधार ग्रन्थ :

1. श्यामसुन्दर दास (सम्पादन) — 'कबीर ग्रन्थावली',लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-211001, द्वितीय संस्करण: 2011
2. डॉ. सत्यनारायण सिंह — मध्ययुगीन काव्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
3. डॉ. मोहनलाल तिवारी (संपादन) — 'मलिक मुहम्मद जायसी और पद्मावत',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी
4. डॉ.धीरेन्द्र वर्मा (संपादन) — 'सूर सागर' सटीक, साहित्य भवन प्रा.लि.56,इलाहाबाद
5. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी — मीराबाई की पदावली, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग,इलाहाबाद
6. योगेन्द्र प्रताप सिंह (सम्पादन) — श्रीराम चरित मानस : पंचम सोपान सुन्दरकाण्ड, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-1
7. आचार्य रामचंद्र शुक्ल(सम्पादन) — जायसी ग्रंथावली,प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली-11 0002
8. डॉ. शुकदेव सिंह (सम्पादन — रैदास बानी, राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली

संदर्भ ग्रन्थ :

9. डॉ. सुमन शर्मा — मध्यकालीन भक्ति-आन्दोलन का सामाजिक विवेचन,विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी,प्रथम संस्करण :1974

10. शिवकुमार मिश्र — भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद-1, संस्करण: 2012

11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल — हिन्दी साहित्य का इतिहास

12. परमानंद श्रीवास्तव (सम्पादन) — सूरदास मूल्यांकन पुनर्मूल्यांकन, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद,प्रथम संस्करण: 2003

11.. सदानंद साही (सम्पादन) — जायसी :आकलन के आयाम,अभिव्यक्ति प्रकाशन,इलाहाबाद, संस्करण: 2006

12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल — गोस्वामी तुलसीदास',प्रकाशन संस्थान ,नई दिल्ली, प्रथम संस्करण: 2004

13 पल्लव (सम्पादन) — मीरा :एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन,पंचकूला,हरियाणा